का भी काम हो उसमें कौन सी कठिनाई है ? अब आप विशेष सहुलियत दे रहे है तो शिक्षा के क्षेत्र में भी उन्हे विशेष सहूलियत दी जाये उसके रास्ते में आपके सामने क्या कठिनाई है ?

श्री राम निवास मिर्धा: कठिनाई केवल साधनों की है इसलिय ज्यादा पैसा अध्यापकों पर खर्च किया जाये या स्कूलों के कमरे बनाने पर खर्च किया जाये यह सवाल आता है । इसलिए यह निर्णय किया जाता है कि कितना पैसा किस पर खर्च किया जाये उसका स्थानीय प्रशासन ही निर्णय करे ।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय के उत्तरों से इस मामले में कुछ लाचारी मालम होती है लेकिन में उनका ध्यान संविधान की दफा 164 की तरफ दिलाना चाहता हूं जिसकी तहत विहार, मध्य प्रदेश और उड़ीसा के लिए एक विशेष मंत्री होता है और उसी तरह से दफा 339 की तहत निदेश देने का अधिकार दिया हुआ है मेरे अपने क्षेत्र के बारे में, मैं जानता हूं कि आदिवासी गांवों में भवनों का पता नहीं है तो क्या सरकार कम से कम तीन राज्यों में जहां ट्राइबल वेलफेयर के लिए अलग मंत्री होता है उनको पत्र लिखेंगे जिससे भवनों के निर्माण के काम पर भी कुछ पूंजी लगाई जाये, कुछ ज्यादा पसा उस पर खर्च किया जाये ?

MR. SPEAKER: It is a suggestion for action.

श्री मधु लिमये : मैं ने स्पष्ट पूछा है क्या पत्र लिखगे ।

श्री रामनिवास मिर्धा : यह प्रश्न सरकार की संवैधानिक लाचा ी का नहीं है वल्कि क्या हमें इस मसले में कोई आदेश देना चाहिए या नही, यह नीति का प्रश्न है । और भी बहुत सी बातें हैं जिस पर आदेश दिये जा सकते हैं, भवन भी उसमें हो सकते हैं लेकिन हमने यह उचित समझा कि जैसे ट्राइवल डेवलपमेन्ट ब्लाक्स हैं उसमें उनको कार्यक्रम दिया जाता है, विशेष मद होती है जिन पर पैसा खर्च होता है और राज्य सरकारें कितना किस मद पर खर्च करें शिक्षा के क्षेत्र में यह उन पर छोड़ा जाता है और मैं समझता हूं यह उचित ही है ।

Separatist Campaign in Tamil Nadu

+

*246. SHRI RAMAVATAR SHASTRI:
SHRI PURUSHOTTAM KAKODKAR:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the press reports regarding Shri E. V. Ramaswami Naicker's Separatist Campaign in respect of Tamil Nadu;

(b) if so, whether Government of India have taken up the matter with the Tamil Nadu Government;

(c) if so, with what result; and

(d) Government of India's reaction to such a campaign?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI F. H. MOHSIN): (a) and (b). Yes, Sir. The Government of Tamil Nadu have been requested to examine the feasibility of initiating legal action.

(c) and (d). Reply from the Government of Tamil Nadu is awaited.

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष जी, हमारे देश के कानून के अनुसार देश के बटवारे की बात करना देशद्रोह माना जाता है । इसलिए में यह जानना चाहूंगा कि आपने अभी कहा कि वहां की सरकार को लिखा गया है, तो कब लिखा गया और उसके बाद फिर तमिलनाडु सरकार से इस बात में शीघ्रता

करने के लिए आपने अनुरोध किया है या नहीं ? अगर किया है तो सरकार ने कोई जवाब दिया है ? अगर दिया है तो क्या ?

SHRI F. H. MOHSIN: Sir, we have addressed a letter to the Tamil Nadu Government on 24-11-1973. We have not yet received the reply from the Tamil Nadu Government.

श्री रामावतार शास्त्री : तमिलनाडु सरकार को पत्र लिखने के बाद भी क्या बटवारे का आन्दोलन वहां चलाया जा रहा है, इस बात की कोई सूचना आपको मिली है ? अगर मिली है तो फिर इस बीच में आपने कौन सा ऐक्शन लिया है ? साथ ही क्या रामस्वामी नायकर के साथ या उनके दल के साथ आप कोई बातचीत करके उन्हें इस बात के लिए राजी करना चाहते हैं कि इस तरह की बात हमारे देश के हित के खिलाफ है और इसको नहीं करना चाहिए ?

गृह मंत्री (श्री उमाशंकर दीक्षित) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने अन्त में जो हमसे सवाल किया है कि हम श्री रामस्वामी नायकर से मिलकर उनको क्यों नहीं समझाते तो उससे यह उनका आशावादी स्वभाव ही प्रकट होता है और उससे यह अवश्य जाहिर होता है कि रामस्वामी नायकर की जो ऐतिहासिक परिस्थिति है उसका भी उनको परिचय नहीं है । उनका 95 वें वर्ष का जन्म दिन मनाया गया है, वे वृद्ध हो गए हैं, उनको कुछ भय भी हो गया है भविष्य के बारे में और उन्होंने कहा है कि मुझे मालूम नहीं एक वर्ष भी मैं जिऊंगा या नहीं इसलिए मैं अपना एक सन्देश दे देना चाहता हूं जिसमें उन्होंने कुछ तो भारतीय जाति प्रणाली के विरुद्ध लिखा है, अर्थात उसमें ब्राह्मणवाद बहुत है इत्यादि। आज के सन्दर्भ में उस पर हम कोई प्रतिकूल प्रतिक्रिया प्रकट करना नहीं चाहते । उनकी बात को इतना महत्व देना ठीक नहीं है । एक वृद्ध सज्जन जो सारी उम्र यही करते आये हैं । वह एक दैनिक पत्र भी निकालते हैं " विडुतलाई," वह दैनिक है जिसमें वे कुछ न कुछ लिखते रहते हैं और जब उनके मन में आता है तब यह भी लिख देते हैं कि तमिलनाडु को अलग हो जाना चाहिए । इससे पहले भी हमारा पत्र-व्यवहार हुआ है, एक मुकद्दमा भी वहां व्यक्तिगत रूप से चला , उस पर कोर्ट की जो राय आई, उसमें महत्व नहीं दिया गया । तमिलनाडु की सरकार की भी राय है कि इस मामले को अधिक महत्व देना उचित नहीं है ।

श्री एम० रामगोपाल रेड्डी : अध्यक्ष जी, सरकार के पास कोई इस किस्म की सूचना है कि श्री करुणानिधि और नायकर में कोई बातचीत हुई है इसी के बारे में ?

श्री उमा शंकर दीक्षित : जी नहीं, हमारे पास कोई इस प्रकार की सूचना नहीं है ।

श्री शंकर दयाल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, देश के किसी भी हिस्से में अगर प्रथकतावादी आन्दोलन चले तो वह गलत बात है । मैं जानना चाहता हूं कि यह जो आन्दोलन चल रहा है उसमें क्या किसी विदेशी शक्ति का भी हाथ है, या किसी तरह की सहायता है ?

श्री उमाशंकर दीक्षित : निश्चयपूर्वक नहीं कह सकते हैं । हो भी सकता है, नहीं भी हो सकता है ।